संक्षेप में

एडवांस एग्रोलाइफ को 56.85 गुना बोलियां

कृषि रसायन कंपनी एडवांस एग्रोलाइफ के आईपीओ को शुक्रवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 56.85 गुना बोलियां मिलीं। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार आईपीओ को 1,35,09,004 शेयरों के मुकाबले 76,80,36,900 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। गैर-संस्थागत निवेशकों के मामले में 175.30 गुना अधिक अभिदान मिला। जबकि पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) की श्रेणी को 27.31 गुना बोलियां मिलीं जबकि खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) के हिस्से को 23.06 गुना अभिदान मिला। एडवांस एग्रोलाइफ ने पिछले सप्ताह गुरुवार को अपने 193 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 95-100 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे की घोषणा की थी। *भाषा*

वीवर्क को पहले दिन चार फीसदी बोलियां मिलीं

वीवर्क इंडिया मैनेजमेंट लिमिटेड के आईपीओ को शुक्रवार को शेयर बिक्री के पहले दिन चार प्रतिशत बोलियां मिलीं। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार आईपीओ के तहत 2,54,89,748 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 11,10,440 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। खुदरा व्यक्तिगत निवेशक (आरआईआई) श्रेणी में 14 प्रतिशत अभिदान प्राप्त हुआ, जबकि पात्र संस्थागत खरीदारों और गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणियों को 2-2 प्रतिशत अभिदान मिला। वीवर्क इंडिया ने एंकर निवेशकों से 1,348 करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक राशि जुटाई है। कंपनी का 3,000 करोड़ रुपये का निर्गम सात अक्टूबर को बंद होगा। इसका मूल्य दायरा 615 से 648 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। *भाषा*

भारत और चीन की विमानन कंपनियों की रणनीति

बाजार भागीदारी बढ़ाने की होड़

सुरजीत दास गुप्ता
नई दिल्ली, 3 अक्टूबर

इंडिगो और एयर इंडिया जैसी भारतीय विमानन कंपनियां भारत-चीन के विमानन क्षेत्र में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए चीन की विमानन कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने को तैयार हैं। यह क्षेत्र 2020 की शुरुआत में परिचालन बंद होने के पांच साल से अधिक समय के बाद अब फिर से सीधी उड़ानों के लिए खोला जा रहा है।

वर्ष 2019 में जब दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें थीं तो उस समय चीनी एयरलाइन कंपनियां चाइना ईस्टर्न, चाइना सदर्न, चाइना एयर और शांडोंग का दबदबा था। सीएपीए-ओएजी के आंकड़ों के अनुसार ये कंपनियां मिलकर भारत-चीन रूट पर 89 प्रतिशत सीटों पर हावी थीं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एकमात्र बड़ी कंपनी एयर इंडिया वित्तीय संकट से जूझ रही थी, उसकी भागीदारी सिर्फ 11 प्रतिशत थी और वह मुख्य रूप से दिल्ली से शांघाई और पेइचिंग की उड़ानें संचालित करती थी।

सितंबर 2019 में, इंडिगो ने दिल्ली-चेंगदू उड़ान के साथ इस क्षेत्र में प्रवेश किया और अगले महीने ही कोलकाता से ग्वांगझू के लिए एक और उड़ान शुरू की। आंकड़ों के अनुसार, उसने जल्द ही कुल बाजार का 16.8 प्रतिशत हिस्सा हासिल कर लिया। लेकिन फिर कोविड-19 आ गया। इस साल 26 अक्टूबर को इंडिगो कोलकाता और ग्वांगझू के बीच अपनी सेवाएं पुनः शुरू करेगी। यह इस रूट पर हफ्ते में तीन बार उड़ान भरेगी। एयरलाइन दिल्ली से ग्वांगझू के लिए एक और उड़ान शुरू करने की भी तैयारी कर रही है, हालांकि इसकी शुरुआत की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

प्रतिस्पर्धा तेज

- पांच साल बाद अब फिर सीधी उड़ानों के लिए विमानन क्षेत्र को खोला जा रहा है
- 26 अक्टूबर को इंडिगो कोलकाता और ग्वांगझू के बीच अपनी सेवाएं पुनः शुरू करेगी
- यह कदम 2020 की शुरुआत में लागू हुए प्रतिबंधों को समाप्त करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण है

सूत्रों के अनुसार एयर इंडिया इस साल के आखिर तक दिल्ली और शांघाई के बीच उड़ान शुरू करने की भी तैयारी कर रही है। चाइना सदर्न, चाइना ईस्टर्न और शांडोंग एयरलाइंस के अलावा, अन्य चीनी एयरलाइंस ने भी पेइचिंग, शांघाई, ग्वांगझू और कुनमिंग से भारत के लिए उड़ानें शुरू करने में दिलचस्पी दिखाई है।

यह कदम प्रतिबंधों को समाप्त करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण है। ये प्रतिबंध 2020 की शुरुआत में लागू हुए थे, जब महामारी के कारण भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें दोनों देशों द्वारा निलंबित कर दी गई थीं। लेकिन गलवान सीमा विवाद के बाद दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के कारण वे निलंबित ही रहीं। विश्लेषकों का कहना है कि 2025 में अब हालात बदल गए हैं। इंडिगो और एयर इंडिया (जो अब टाटा समूह के स्वामित्व में है) ने मोडियम और लॉन्ग रूट के लिए 1,800 से अधिक विमानों का ऑर्डर दिया है और वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी ताकत दिखाने तथा तेजी से विस्तार करने की कोशिश कर रही हैं।

एयर इंडिया और इंडिगो जैसी भारतीय एयरलाइंस दिल्ली और मुंबई में अंतरराष्ट्रीय हब बनाने की योजना भी बना रही हैं और इस योजना में चीनी बाजार तक पहुंच महत्त्वपूर्ण हो सकती है। इसके अलावा, अब जब इंडिगो के बेड़े में ए321 एक्सएलआर विमान शामिल हो गया है, तो यह एयरलाइन आठ से दस घंटे की दूरी वाले और भी चीनी गंतव्यों तक उड़ानें संचालित कर सकेगी, जो कोलकाता से उड़ान भरने वाले ए320नियो विमान से संभव नहीं है।

ओएजी आंकड़े के अनुसार, वर्ष 2024 में (जब दोनों देशों के बीच उड़ानें नहीं थीं) करीब 572,000 यात्रियों ने अप्रत्यक्ष रूप से यात्रा की और सिंगापुर, हांगकांग, बैंकॉक तथा वियतनाम जैसी जगहों का भी इस्तेमाल किया।

भारतीय एयरलाइनों ने सीधी उड़ानें शुरू करने के लिए कम से कम चार प्रमुख चीनी शहरों का चयन किया है। ये पेइचिंग, शांघाई, ग्वांगझू और चेंगदू हैं।

मैजिकब्रिक्स बढ़ाएगी एआई का इस्तेमाल

गुलवीन औलख
नई दिल्ली, 3 अक्टूबर

तकनीक पर भरोसा

- कंपनी की अगले 2 से 3 साल में आईपीओ लाने की योजना
- होम लोन वितरण व्यवसाय का विस्तार कर रही है कंपनी

प्रॉपर्टी किराए पर लेने-देने और खरीदने-बेचने के लिए खोजबीन सेवा देने वाला रियल एस्टेट कंपनी मैजिकब्रिक्स अगले दो से तीन वर्षों में सार्वजनिक सूचीबद्धता की योजना बना रही है। कंपनी अपने होम लोन वितरण व्यवसाय का विस्तार कर रही है और अपने होम इंटीरियर कारोबार को बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। दोनों ही उपभोक्ताओं की दिलचस्पी और खर्च के बड़े क्षेत्र हैं।

कंपनी के सीईओ सुधीर पई ने एक वीडियो बातचीत में कहा, हम पिछले चार सालों से मुनाफे में हैं और हमारा नकदी प्रवाह सकारात्मक है। जैसे-जैसे वृद्धि के हमारे खंड और मजबूत होंगे, दो-तीन सालों में लिस्टिंग संभव है।

पई ने कहा, कंपनी एआई में निवेश कर रही है और वह एआई नवाचार के माध्यम से कामयाबी जारी रखने के लिए इसका लाभ उठाएगी। वह साइट विजिट, होम लोन, होम इंटीरियर और कानूनी सहायता सहित अपनी सहायक सेवाओं के मानक बढ़ाएगी क्योंकि इनकी मांग बढ़ रही है। पई ने कहा, हम विभिन्न कामकाज में एआई की सक्रियता के साथ शामिल कर रहे हैं। पहला चरण आंतरिक रूप से उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार पर केंद्रित है। हमने लिस्टिंग मॉडरेशन और दस्तावेज को संक्षेप में रखने के मामले में उल्लेखनीय सुधार हासिल किए हैं। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता-पहलू से एआई का लिस्टिंग सत्यापन और स्मार्ट अनुशंसाओं पर प्रभाव पड़ना शुरू हो जाएगा।

पिछले कुछ वर्षों में रियल एस्टेट बाजार में आई तेजी के बीच कंपनी एक पूर्ण प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित हुई है। यह न केवल खोजबीन और तलाशी की पेशकश करती है, बल्कि साइट विजिट, होम लोन, होम इंटीरियर, कानूनी सहायता और संपत्ति मूल्यांकन सहित सभी सेवाएं देती है।

पई ने कहा, भारतीय रियल एस्टेट बाजार में लेन-देन में तेजी और कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। इस साल कीमतें औसतन 24 फीसदी बढ़ी हैं जबकि मांग में 9 फीसदी का इज़ाफा हुआ है। हमने इन ज़रूरतों को पूरा करने के लिए मैजिक होम्स के साथ विस्तार किया है, जो डेवलपर लिस्टिंग के लिए हमारा अलग से सेक्शन है।

पई ने कहा कि मैजिक होम्स नामक श्रेणी पेश करने के बाद कंपनी घर खरीदारों के लिए इस खंड में सुधार करना चाहती है। इस खंड में डेवलपरों द्वारा निर्माणाधीन घर होते हैं। उन्होंने आगाह किया कि खरीद क्षमता चिंता का मसला बनती जा रही है और इसका मांग पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा, भारत का कीमत आय अनुपात अब 7 से ऊपर है जबकि वैश्विक औसत 5 है। किफायती कीमतों पर आपूर्ति में बाधा बढ़ रही हैं।

उच्च कीमत आय अनुपात किराये में तेज वृद्धि का संकेत देता है, जिससे संभवतः ग्राहकों को अधिक किराया देना पड़ सकता है और वे अधिक महंगे किराये वाले आवासों की ओर आकर्षित हो सकते हैं।

रूबिकॉन रिसर्च का आईपीओ नौ को खुलेगा

दवा कंपनी रूबिकॉन रिसर्च का 1,377.50 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) नौ अक्टूबर को खुलेगा। आईपीओ दस्तावेज के अनुसार, इसके लिए मूल्य दायरा 461 से 485 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ 13 अक्टूबर को संपन्न होगा। *भाषा*

रामकृष्ण फोर्जिंग्स का रेल पर जोर

ध्रुवाक्ष साहा
नई दिल्ली, 3 अक्टूबर

कोलकाता की रामकृष्ण फोर्जिंग्स रेलवे के महत्त्वपूर्ण फोर्ज्ड व्हील की एकमात्र निजी क्षेत्र की विनिर्माता बनने की राह पर है। वह अब रेलवे श्रेणी में बड़ा कदम उठाने की योजना तैयार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य साल 2030 तक अपने रेल राजस्व की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करना है। कंपनी के कार्यकारी निदेशक चैतन्य जालान ने बिजनेस स्टैंडर्ड को यह बताया है।

कंपनी चेन्नई में टीटागढ़ रेल सिस्टम्स के साथ संयुक्त उद्यम के तहत अपनी फोर्ज्ड व्हील इकाई लगा रही है। अब कंपनी भारत में उभरते हाई-स्पीड रेल क्षेत्र में अग्रणी बनने पर ध्यान देगी, जिसके लिए वह बोगी अंडरकैरिज डिजाइन करती है। जालान ने कहा, 'हमारा अनुमान है कि 2030 के आसपास समेकित आधार पर हमारा रेलवे राजस्व भारतीय रेलवे के लगभग 20 प्रतिशत या उससे अधिक होगा। फिलहाल यह लगभग 6 प्रतिशत है।'

फोर्ज्ड व्हील इकाई प्रति वर्ष 2,20,000 फोर्ज्ड व्हील बनाएगी। इसमें से राष्ट्रीय परिवहन यानी रेलवे की मांग लगभग 80,000 व्हील की होगी और शेष का निर्यात होगा। जालान को उम्मीद है कि अगले पांच वर्षों में इस इकाई का 90 प्रतिशत क्षमता उपयोग होने लगेगा जिससे कंपनी के राजस्व में लगभग 2,000 करोड़ रुपये का योगदान आएगा।

कंपनी ने यूरोप के वाहन और रेल क्षेत्र पर बढ़ाया ध्यान, निर्यात रणनीति को भी कर रही दुरुस्त

जालान ने कहा, 'आज हमारे पास ऐसी आंतरिक टीम है जो भारतीय रेलवे के लिए समूची अंडरकैरिज, एलएचबी बोगियों और वंदे भारत बोगियों को डिजाइन तथा प्रमाणित करने में सक्षम है। आगे हम वैश्विक प्लेटफॉर्म के लिए हाई-स्पीड ट्रेनों के समूचे अंडरकैरिज के वास्ते समाधान उपलब्ध करने पर काम कर रहे हैं। इसलिए यही हमारी राह है और हमारा ध्यान इस क्षेत्र में पूरी तरह से अपना दबदबा बनाने पर है।'

जालान ने टैरिफ संकट के बीच अमेरिका की कमजोर मांग का हवाला देते हुए कहा कि कंपनी मुख्य रूप से वाहन पुर्जों की आपूर्तिकर्ता है और वह यूरोपीय वाहन और रेल क्षेत्र पर अधिक ध्यान दे रही है और अपनी निर्यात रणनीति को पुनर्गठित कर रही है।

रामकृष्ण फोर्जिंग्स ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 1,010 करोड़ रुपये का समेकित राजस्व दर्ज किया जो पिछले वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत की वृद्धि है।

अनिल अंबानी की याचिका खारिज

बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को भारतीय स्टेट बैंक के निर्णय को चुनौती देने वाली उद्योगपति अनिल अंबानी की याचिका को खारिज कर दिया। स्टेट बैंक ने उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस के खातों को धोखाधड़ी वाले खातों के रूप में वर्गीकृत किया है।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले के पीठ ने कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है। फैसले की विस्तृत प्रति अभी उपलब्ध नहीं है। एसबीआई ने पिछले साल इन खातों को धोखाधड़ी वाले खाते के रूप में वर्गीकृत किया था और आरोप लगाया था कि उसके द्वारा दिए गए ऋण की शर्तों का उल्लंघन करते हुए धन की हेराफेरी की गई है। अंबानी ने उच्च न्यायालय का रुख करते हुए तर्क दिया कि बैंक ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं किया है क्योंकि उसने उन्हें सुनवाई का अवसर नहीं दिया।

याचिका में दावा किया गया कि कुछ दस्तावेज (जिनके आधार पर वर्गीकरण आदेश पारित किए गए थे) उन्हें शुरू में उपलब्ध नहीं कराए गए थे और छह महीने बाद दिए गए। बैंक ने इस साल केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद रिलायंस कम्युनिकेशंस और अंबानी के आवास से जुड़े परिसरों की तलाशी ली गई। *भाषा*

खुदरा पर केंद्रित और ज्यादा रीट की होगी शुरुआत

संकेत कौल
नई दिल्ली, 3 अक्टूबर

खुदरा पर केंद्रित कम से कम दो से तीन नए रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (रीट्स) जल्द ही आने की संभावना है। मॉल में अधिक संस्थागत निवेश आने की बदौलत ऐसा होने की संभावना है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी एनारॉक की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। यह तब हो रहा है जब देश के खुदरा क्षेत्र में संस्थागत भागीदारों का दबदबा बढ़ रहा है और देश भर में चल रहे 650 मॉल में से 30 से 35 प्रतिशत में अब ऐसा निवेश देखा जा रहा है।

अगले तीन से पांच वर्षों में 4.25 करोड़ वर्ग फुट से अधिक के प्रमुख खुदरा क्षेत्र वाले 45 नए मॉल तैयारी के चरण में हैं।

नेक्सस मॉल्स (ब्लैकस्टोन), फीनिक्स मिल्स, डीएलएफ, लेकशोर, रहेजा ग्रुप और पैसिफिक जैसी शीर्ष कंपनियां को इससे मुख्य रूप से लाभ हो सकता है।

औसतन 10 से 12 लाख वर्ग फुट से ज्यादा जगह लेंगे नए मॉल, जबकि छोटे मॉल का इस्तेमाल मिश्रित उपयोग वाली परियोजनाओं के लिए किया जा सकता है : रिपोर्ट

एनारॉक ने कहा कि नए मॉल आने से रीट गतिविधि को और बढ़ावा मिलेगा जो बड़े और बेहतर ब्रांडेड मॉल की दिशा में दमदार कदम का संकेत है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'आगे चलकर नए मॉल औसतन 10 लाख से 12 लाख वर्ग फुट की जगह लेंगे जबकि 30 से 40 प्रतिशत छोटे मॉल मिश्रित उपयोग वाली परियोजनाओं में तब्दील किए जा सकते हैं।'

इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि केवल ग्रेड ए वाले मॉल में ही 5 से 8 प्रतिशत की सालाना चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) के साथ किराये में सकारात्मक बढ़ोतरी देखी जा रही है जबकि ग्रेड बी और सी वाले मॉल के किराये में स्थिरता या गिरावट देखी जा रही है।

साल 2005 और 2015 के बीच संगठित खुदरा क्षेत्र में तेजी की बदौलत देश भर में 250 से ज्यादा मॉल बनाए गए। हालांकि साल 2015 से 2020 के दौरान इनमें से लगभग 20 से 22 प्रतिशत मॉल या तो बंद कर दिए गए, उनका स्थान बदल दिया गया या फिर उनका अन्य उपयोग किया जाने लगा।

को-वर्किंग फर्मों का जीसीसी पर ध्यान

भारतीय को-वर्किंग कंपनियां वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए रणनीति बदल रही हैं। स्टार्टअप और एसएमई के अपने पारंपरिक आधार से आगे बढ़ते हुए ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस, वीवर्क इंडिया, स्मार्टवर्क्स और ब्रुकफील्ड की कोवर्क्स जैसी कंपनियां बहुराष्ट्रीय उद्यमों के लिए बड़े और प्रीमियम केंद्र डिजाइन कर रही हैं। इनमें उच्च स्तर की सुविधाएं, उद्यम श्रेणी की सुरक्षा और लचीली लीजिंग व्यवस्था शामिल हैं। इससे उन्हें किराए पर अतिरिक्त प्रीमियम भी मिल रहा है। देश में जीसीसी की पैठ हाल के वर्षों में बढ़ी है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां अब अपने केंद्रों को केवल आईटी और बीएफएसआई के कामकाज तक ही सीमित नहीं रख रही हैं बल्कि वे इंजीनियरिंग, विनिर्माण, ई-कॉमर्स, अनुसंधान एवं विकास और एआई के लिए भी केंद्र स्थापित कर रही हैं। *बीएस*

टैरिफ से बचने को और दवा फर्में अमेरिका में घटाएंगी दाम!

सोहिनी दास
मुंबई, 3 अक्टूबर

भारतीय कंपनियां अमेरिका की दिग्गज दवा कंपनी फाइजर के नक्शेकदम पर चलकर दवाओं की कीमतों में कटौती पर सहमति जताते हुए ट्रंप प्रशासन के साथ समझौते कर सकती हैं। इससे उन्हें अनिश्चित माहौल में टैरिफ से कुछ राहत मिल सकती है, जहां पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। विश्लेषकों ने ऐसी संभावना जताई है।

नुवामा के विश्लेषकों का कहना है कि ऐसे कदम से अमेरिका में 'ब्रांडेड दवा कंपनियों पर अस्थायी रूप से दबाव कम हो सकता है। यह बात सन फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज के लिए प्रासंगिक है, जिसका अमेरिका के नवीन दवा बाजार में निवेश है। नुवामा के अनुमानों के अनुसार उसकी सबसे बड़ी दवा इलुम्या मेडिकेयर पार्ट बी (लगभग 50 से 60 प्रतिशत) से राजस्व अर्जित करती है, जबकि मेडिकेड की हिस्सेदारी लगभग 5 प्रतिशत होने की संभावना है।

विश्लेषकों का मानना है कि अगर सन फार्मा भी फाइजर जैसा सौदा कर पाती है तो वह टैरिफ से बच सकती है

मेडिकेयर 65 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले लोगों तथा कुछ विकलांगता या गुर्दे की अंतिम चरण वाले बीमारी (ईएसआरडी) से ग्रस्त कम उम्र वाले लोगों के लिए संघीय स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम है। मेडिकेड संघीय और राज्य स्तरीय संयुक्त कार्यक्रम है, जो कम आय वाले लोगों, बच्चों और परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करता है और इसकी पात्रता राज्य के अनुसार अलग-अलग होती है। मेडिकेयर की पात्रता आयु या विकलांगता पर आधारित होती है, जबकि मेडिकेड की पात्रता आय और परिवार की स्थिति पर आधारित होती है।

नुवामा ने एक नोट में कहा, 'हमें लगता है कि अगर सन इसी तरह का कोई समझौता कर पाती है या अमेरिका में विनिर्माण की पहल करती है, तो वह भी निकट भविष्य में अमेरिकी टैरिफ से बच सकती है।'

फाइजर ने एक समझौता किया है, जिसके तहत वे टैरिफ में राहत के बदले मेडिकेड कार्यक्रम में दवाओं के दाम अन्य विकसित देशों से वसूले जाने वाले दामों के बराबर कम करने पर सहमत हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि फाइजर अमेरिका में पेश की जाने वाली सभी नई दवाओं को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करता है और इसकी पात्रता राज्य के अनुसार अलग-अलग होती है। अमेरिकी टैरिफ से बचने के लिए फार्मा कंपनियां अपने कारखाने अमेरिका में लगा रही हैं। *बीएस*

सी एण्ड एस इलेक्ट्रिक लिमिटेड
CIN: U31909DL1971PLC005672
पंजीकृत कार्यालय: 210,211 एवं 212, द्वितीय मंजिल, सालकान ओरम बिल्डिंग, प्लॉट नं. 4, जसोला डिस्ट्रिक्ट सेण्टर, नई दिल्ली-110025
फोन: +9111 69225600
वेबसाइट: www.cseindia.co.in
ई-मेल: secretarial@cseelectric.co.in
info@cseelectric.co.in

कम्पनी के शेयरधारकों के ध्यानार्थ सूचना

प्रिय शेयरधारक,
निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष (आईईपीएफ) द्वारा प्रवर्तित "**सक्षम निवेशक**" अभियान के तहत, शेयरधारकों को उनके पंजीकृत शेयर/लाभांश का दावा करने एवं निवेशक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अपने लेखाबही विवरण को अद्यतन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
कम्पनी ने वित्तीय वर्ष 2016-17 तक के बैयावा लाभांशों को आईईपीएफ में पहले ही स्थानांतरित कर दिया है, जिसके दावा आप निम्न निर्धारित प्रक्रिया का पालन कर आईईपीएफ से कर सकते हैं। इसके अलावा, आप आवश्यक दस्तावेज जमा कर कर कम्पनी से आगामी वर्षों के लिए बैयावा लाभांश का दावा कर सकते हैं। आप secretarial@cseelectric.co.in पर ईमेल भेजकर ऐसी जानकारी की सूची एवं उसका करने की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं
हम आपसे कंपाईपी विवरण (जैसे पैन, माइग्रेशन नं., ईमेल आईडी, बैंक खाते का विवरण) के बारे में जानकारी अपडेट करने का अनुरोध करते हैं
अपने केवाईसी रिकार्ड को अपडेट करने के लिए, कृपया हमारे रजिस्ट्रार एण्ड शेयर हस्तांतरण एजेन्ट (आरटीए), लिंक इंटिमेंट्स लिमिटेड से संपर्क दस्तावेजों के साथ सम्पर्क करें।
अजयिति अवाइन्सेन्स लिमिटेड
अनामिका हाउस, 4डि2, झण्डेवालान एक्सटेन्सन, नई दिल्ली - 110055
फोन : 91-11-4254 1234, +91-11-2955 2001
वेबसाइट: www.alankit.com.
ईमेल: alankit_rta@alankit.com

कृते सी एण्ड एस इलेक्ट्रिक लिमिटेड
हस्ता०/-
तिथि: 4/10/2025 **कम्पनी सचिव**

संघ फाइनेंशियल सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड
अधिसूचित एनबीएफसी अनारजित : इकाई नं. 782, तीसरा तल, सेक्टर "ए", प्लॉट नं. 6, लोकल-14, बलाना, नई दिल्ली- 110075

"परिशिष्ट-IV" (देखें नियम 8(6) के प्रावधानों के अनुसार)
अचल सम्पत्ति की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सहपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमों, 2002 के नियम 8(6) के अधीन अचल सम्पत्तियों के विक्रय हेतु ई-निलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा आम लोगों को और विशेष रूप से कर्जदार(रों) और गारंटरों को यह सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो **संघ फाइनेंशियल सर्विसेस प्रा. लि.** (अलायन्स क्रेडिटर) को गिरवीकृत बंधक है, का कब्जा **संघ फाइनेंशियल सर्विसेस प्रा. लि.** के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, का "जो है जहाँ है", "जो है जैसा है" और "जो कुछ भी है" के आधार पर निम्न कर्जदार(रों), गारंटर(रों) और कॉर्पोरेट गारंटर(रों) से निम्न वर्णित बकाया राशि और ब्याज़ दिनांक **08.11.2025** को देय जा रहा है। आरक्षित मूल्य और जमा की जाने वाली अग्रिम राशि नीचे प्रदत्त: वर्णित है।

कर्जदार, सह-कर्जदार(रों) /गारंटर(रों) का नाम और पता	विवरण और संपत्तियों के मालिक
1. शंभात तिवारी पुत्र राजाराम तिवारी, **2.** अनुराधा देवी पत्नी गोपाल तिवारी, दोनों निवासी - हकरार, गरुवा, राहत, बिहार 841311, **इसके अतिरिक्त:** फैनोवा बाबा मंदिर, रत्नाभाग 841311, **इसके अतिरिक्त:** 4 म.पु.पो. 4 स.ट. तुरावलाइन, कुशेर चंदा राहत, बिहार 841202, **इसके अतिरिक्त :** खाता सं. 132, खसरा सं. 888, मौजा - हाराम, जीएस-गरुवा राजस्व जिला सारन, बिहार LOAN/CH0000625	संपत्ति स्थित मौजा, हकमा, पी.एस. गरखा, थाना सं. 439, खाता सं. 132, सर्वे सं. 888, जिला सारन जिनकोड 841311 का संपूर्ण व सर्वाशीण भाग, सीमांकन निम्न प्रकार: पूर्व: गहाणीण सड़क, पश्चिम : मंगलपांडे, उत्तर: भोला साहू, दक्षिण: स्व. गणेश साहू

अग्रिम मूल्य(अग्री) और ईएमडी और रोकड़ीए राशि	मांग सूचना अनुसार वसूली राशि	संपत्ति की साइट पर निरीक्षण की दिनांक और समय	ई-नीलामी की दिनांक और समय
रु.22,07,550/-, रु.2,20,755/- और रु.50,000 -	रु.20,52,198.36/- दिनांक 29.01.2025 तक	06.11.2025 से 07.11.2025 तक पूर्वाह्न : 0:00 बजे से अपराह्न 5:00 बजे	08.11.2025- पूर्वाह्न 10 बजे से दोपहर 12 बजे (5 मिनट प्रत्येक के विस्तारित समय के साथ)

ईएमडी राशि को " **संघ फाइनेंशियल सर्विसेस प्रा. लि. " के पक्ष में एनईएफटी/ आरटीजीएस/ बैंकर्स ड्राफ्ट/ बैंकर्स चेक के माध्यम से जमा किया जाएगा। बैंक खाता सं. 184305000395, बैंक नाम- आईडीआईसीआई बैंक, आईएफएससी कोड- आईडीआईबी000180 9, शाखा- राहीत रोड, ईएमडी जमा करने और बोली लगाने के अतिरिक्त दिनांक: 07.11.2025 दोपहर 12:00 बजे तक https://www.bankauctions.in पर**
अचिह्न संपत्ति मूल्य का पीए 25% भाग, ईएमडी राशि घटाने से व 1द, अग्रिम तारीख पर आगे अपने स्वयं विवेक तक आरटीजीएस / एनईएफटी के माध्यम से संघ फाइनेंशियल सर्विसेस प्रा. लि. के ई-नीलामी खाते में जमा किया जायेगा, जैसा कि ऊपर विवरण में बताया गया है। अग्रिम खरीद का शेष 75% भाग भी आरटीजीएस, एनईएफटी के माध्यम से जमा की जाएगी। ई-नीलामी बोली निर्धारित 15 दिनों के भीतर जमा किया जाएगा अन्यथा बोलीदाता को हुआ ही राशि जब्त कर ली जायेगी, जो उस बोलीदाता द्वारा बोली प्रपत्र में उल्लेखित किया गया है, और यह राशि 5 वर्ष दिनों के भीतर जमा की जाएगी
नियम और शर्तें: ई-नीलामी की" जो है जैसा है", "जो है जहां है", "और" जहां जो कुछ भी है" आधार पर अपने जिम्मेदार रहेंगे और इसी " ऑनलाइन" के माध्यम किया जायेगा-नीलामी को मे० या इनीमित्र लर्नसेस प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि द्वारा सेवा प्रदाता मैसर्स ए नवोलेज के माध्यम से पेश ट्रेडिंग http://bankauctions.in पर आयोजित किया जायेगा। गोपनीय दस्तावेज, घोषणा, और अधिकृत अधिकारी के साथ गोपनीय बिड़ की वास्तविक तारीख http://bankauctions.in पर उपलब्ध हैं। प्रतिष्ठित अधिकारी के संपर्क/ग्राहक और जानकारी के अनुसार, एनईबीएफसी-एसबीएफसी को बोली बनाने से पहले नीलामी में रखी गई संपत्तियों पर किसी भी बकाया, शुल्क के दावों और देनदारियों के बारे में, अपनी ही व्यवस्थित पूछताछ की करनी चाहिए होगी। गिरवी अधिकारी/ प्राधिकृत अधिकारी किसी टैक्स या शुल्क के दावों/ अधिकार/ बकाया के लिए किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगा विक्री, निर्माण परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निर्धारित नियम/ शर्तों के अधीन होगी **सरफेसी अधिनियम, 2002 के तहत सांविधिक 30 दिनों की बिक्री सूचना**
स्थान : सारन, दिनांक : 04.10.2025 **प्राधिकृत अधिकारी, संघ फाइनेंशियल सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड**

कोलकाता संस्करण : बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक जय हरगोविंदलाल सरेया द्वारा सरस्वती प्रिंट फैक्टरी प्राइवेट लिमिटेड, 789, चौभागा वेस्ट, पोस्ट ऑफिस-सेलजला, कोलकाता-700105, प. बंगाल से मुद्रित एवं बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, सी/ओ एपीजे बिज़नेस सेंटर, 15 पार्क स्ट्रीट, एपीजे हाउस, ब्लॉक-सी, 8वाँ तल, कोलकाता 700016, प. बंगाल से प्रकाशित। संपादक : केलाश गौटियान आरएनआई नं. WBHIN/2008/24333 पंजीकृत समाचार को letters@bsmail.in पर ईमेल भेज सकते हैं।
सब्सक्रिप्शन और स्टूडेंट्स के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैराग्रन सेंटर, विड्डला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं